

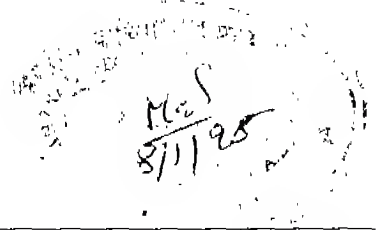


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 215]
No. 215]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 4, 1997/कार्तिक 13, 1919
NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 4, 1997/KARTIKA 13, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

प्रारम्भिक अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1997

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से फ्यूज्ड मेमिशिया के आयात से संबंधित पाटनरोधी जाँच आरम्भ करना ।

सं 18/1/97-एडीडी :—मै. बिड़ला पेरिक्लेज ने सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटन की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, मूल्यांकन और वसूली तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात् प्राधिकारी कहा जाएगा) के समक्ष चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद चीन जनवादी गणराज्य कहा गया है) से फ्यूज्ड मेमिशिया के पाटन का आरोप लगाते हुए तथा पाटनरोधी जाँच और पाटन-रोधी शुल्क जगाने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की है ।

1. **स्थिति :**—याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वह भारत में समान वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है अतः घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति से संतुष्ट है ।
2. **सम्मिलित उत्पाद :**—जाँच में चीन जनवादी गणराज्य मूल अथवा वहां से निर्यातित फ्यूज्ड मेमिशिया उत्पाद सम्मिलित हैं ।
फ्यूज्ड मेमिशिया सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम (आई टी सी के अनुसार 25199001 और 25199003) के सीमा-शुल्क उप-शीर्ष सं. 251990 के अन्तर्गत वर्गीकृत है । परन्तु, वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है और इससे वर्तमान जाँच के मामलों पर किसी प्रकार की बाध्यता नहीं है ।
3. **सम्मिलित देश :**—वर्तमान जाँच में चीन जनवादी गणराज्य सम्मिलित है ।
4. **समान वस्तुएं :**—याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि भारत में फ्यूज्ड मेमिशिया का कोई उत्पादक नहीं है । याचिकाकर्ता ने कहा है कि वह समुद्री जल मेमिशिया के उत्पादन के लिए एक सयंत्र (प्लांट) स्थापित कर रहा है जो कि पूरा होने की स्थिति में है । याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि उसके द्वारा उत्पादित किया जाने वाला समुद्री जल मेमिशिया चीन जनवादी गणराज्य से आयात होने वाले फ्यूज्ड मेमिशिया का एक प्रतिस्थापन है और दोनों की विशेषताएं घनिष्ठ रूप से एक-दूसरे के सदृश्य हैं । चूंकि, भारत में विचाराधीन माल का कोई उत्पादक नहीं है इसलिए समान वस्तु की परिभाषा का दूसरा भाग प्रचलित हो जाता है । इसके अलावा चूंकि, याचिकाकर्ता ने दावा

किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित किए जाने वाले समुद्री जल मेमिशिया की विशेषता चीन जनवादी गणराज्य से आयातित होने वाले फ्यूज्ड मेमिशिया से काफी मिलती-जुलती है, इसलिए याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित किया जाने वाला समुद्री जल मेमिशिया को नियमों के अर्थ में चीन जनवादी गणराज्य से आयातित होने वाले फ्यूज्ड मेमिशिया के समान वस्तु के रूप में माना जाय।

5. पाटन तथा पाटन मार्जिन :—

(क) सामान्य मूल्य : याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन पी आर में फ्यूज्ड फेसड मेमिशियम की उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है जो कि उसके पास उपलब्ध सूचना के आधार पर तैयार किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि उत्पादन लागत को चीन पी आर का दौरा करने के बाद तैयार किया गया है।

(ख) निर्यात कीमत : याचिकाकर्ता ने पत्तन रिकार्डों से संकलित आयातों की विस्तृत विवरणी के आधार पर 11214 रु. प्रति मी. टन (1994-95) 12727 प्रति मी. टन (1995-96) तथा 12687 प्रति मी. टन (1996-97) के रूप में सी एण्ड एफ निर्यात कीमत का दावा किया है। वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) कलकत्ता द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत 9418 रुपए (1994-95), 10475 (1995-96) तथा 11,842 (अप्रैल-अगस्त, 1996) प्रति मी. टन है। याचिकाकर्ता ने समुद्री भाड़े, भूतल-भाड़े, पत्तन शुल्क, निर्यात शुल्क, बैंक शुल्क, बिक्री करों में अंतर, कमीशन तथा निर्यात कीमत में अन्य निर्यात शुल्कों के कारण समायोजनों का दावा चीन भ्रमण तथा इसके पास उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है।

(ग) चीन पी आर में फ्यूज्ड मेमिशिया के सामान्य मूल्य तथा वे कीमतें, जिन पर चीन पी आर से वस्तुओं का निर्यात किया गया है के बारे में पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाण है। ऐसे पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाण हैं कि चीन पी आर में फ्यूज्ड मेमिशिया के सामान्य मूल्य निर्यात कीमत से काफी ज्यादा है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि चीन पी आर के निर्यातकों द्वारा वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

6. क्षति :—याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि भारत में फ्यूज्ड मेमिशिया के आयात में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वह समुद्री जल मेमिशिया के उत्पादन के लिए विशाखापत्तन में एक संयंत्र की स्थापना कर रहा है जो शीघ्र चालू हो जाएगा। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि फ्यूज्ड मेमिशिया के आयात के परिणामस्वरूप इसकी स्थापना में वास्तविक बाधा आई है तथा और आयात होने से वास्तविक क्षति होने का खतरा है।

ऐसा पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाण है कि विचारार्थ उत्पाद के आयातों से क्षति होगी।

7. प्रति पाटन जांच की शुरुआत :—इस प्रकार विनिर्दिष्ट अधिकारी उक्त देश से निर्यात किए गए या उद्गम वाले विचाराधीन वस्तुओं के कथित पाटन के प्रमाण मात्रा और प्रभाव के बारे में प्रतिपाटन जांच की शुरुआत करते हैं।

8. जांच की अवधि :—वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि 1 अप्रैल, 1996 से 30 जून, 1997 (15 महीने) है।

9. सूचना प्रस्तुत करना :—इससे संबंधित चीन पी आर के ज्ञात निर्यातकों और भारतीय आयातकों को निर्धारित प्रपत्र और तरीके से संगत सूचना भेजने और अपने विचारों से बताने के लिए श्री दीपक चटर्जी, प्राधिकृत अधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत कराने के लिए अलग-अलग पत्र भेजे जा रहे हैं। कोई अन्य इच्छुक पार्टी भी इस जांच से संबद्ध सूचना निर्धारित प्रपत्र और तरीके से नीचे दी गई समय सीमा के अंदर प्रस्तुत कर सकता है।

10. समय-सीमा :—चालू जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप से भेजी जानी चाहिए जिससे कि यह प्राधिकारी के पास ऊपर बताए गए पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के अंदर पहुंच जाए। किन्तु ज्ञात निर्यातक और आयातक जिन्हें अलग से लिखा जा रहा है के लिए जरूरी है कि वे उनको अलग से लिखे गए पत्रों की तिथि से 40 दिनों के अंदर सूचना भेजे।

11. सरकारी फाइल का निरीक्षण :—नियम 6(7) के अनुसार कोई भी इच्छुक पक्ष उस सरकारी फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत अगोपनीय अंश विहित हैं।

12. अगर इच्छुक पार्टी उचित समय सीमा के अंदर आवश्यक सूचना प्राप्त करने से रोकती है या अन्य प्रकार से सूचना प्रदान नहीं करती है या जांच में ज्यादा अवरोध उत्पन्न करती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम रिकार्ड कर सकता है तथा केन्द्र सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकता है जो जिन्हें वह उचित समझता है।

दीपक चटर्जी, प्राधिकारी निर्दिष्ट

MINISTRY OF COMMERCE

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 4th November, 1997

Subject : Initiation of anti dumping investigation concerning import of fused magnesia from China PR

No. 18/1/97-ADD :—M/s. Birla Periclase has filed a petition in accordance with the Customs Tariff (Amendment Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of fused magnesia from the People's Republic of China (referred to as China PR hereinafter) and requested for anti dumping investigations and levy of anti dumping duties.

1. **Standing:** The petitioner has claimed that it is the only producer of the like goods in India and, therefore, satisfies the standing to file the petition, on behalf of the domestic industry.

2. **Product Involved:** The product involved in the investigation is fused magnesia originating in or exported from China PR.

Fused magnesia is classified under custom sub-heading no. 251990 of the Customs Tariff Act (25199001 and 25199003 as per ITC). The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigations.

3. **Country(ies) involved:** The country involved in the present investigation is China PR.

4. **Like Goods:** The petitioner has claimed that there is no producer of fused magnesia in India. The petitioner has stated that it is setting up a plant for production of sea water magnesia, which is at an advanced stage of completion. The petitioner has argued that sea water magnesia to be produced by it is a substitute for fused magnesia being imported from China PR and the two have characteristics closely resembling each other. Sea water magnesia to be produced by the petitioner should be treated as like article to the fused magnesia being imported from China PR within the meaning of the Rules.

5. **Dumping and Dumping Margin:**

a. **Normal value:** The petitioner has claimed normal value based on cost of production of fused magnesium in China PR, constructed on the basis of information available with it. The petitioner has stated that the cost of production has been constructed after visiting China PR.

b. **Export price:** The petitioner has claimed C&F export price as Rs. 11214 pmt (1994-95), Rs. 12727 pmt (1995-96) and Rs. 12687 pmt (1996-97) on the basis of detailed statement of imports compiled from port records. Export price on the basis of data compiled by the Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCIS), Calcutta is Rs. 9418 (1994-95), 10475 (1995-96) and 11842 (Apr.-Aug., 1996) pmt.

- The petitioner has claimed adjustments on account of ocean freight, inland freight, port charges, export duty, bank charges, difference in sales tax, commission and other export charges in the export price on the basis of visits to China and other information available with it.
- c. There is sufficient prima facie evidence with regard to the normal value of fused magnesia in China PR and the prices at which goods have been exported from China PR. There is sufficient evidence that the normal value of fused magnesia in China PR is significantly higher than the export price, indicating, prima facie, that the goods are being dumped by the exporters from China PR.
6. Injury: The petitioner has alleged that imports of fused magnesia in India have increased in absolute terms. The petitioner has claimed that it is setting up a plant at Visakhapatnam for manufacture of sea water magnesia, which is scheduled to be commissioned shortly. The petitioner has claimed that the imports of fused magnesia resulted into material retardation to its establishment and the imports further pose a threat of material injury. There is sufficient prima facie evidence that the imports of the product under consideration would cause injury.
7. Initiation of Anti-Dumping Investigation: The Designated Authority, therefore, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the said country.
8. Period of investigation: The period of investigation for the purpose of the present investigations is 1st April, 1996 to 30th June, 1997 (15 months).
9. Submission of Information: The exporters in China PR and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and make their views known to Shri Dipak Chatterjee, Designated Authority, Ministry of Commerce, Udyog Bhavan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.
10. Time Limit: Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.
11. Inspection of Public File: In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.
12. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority